

## Летний вечер

## Jeg rejste en dejlig Sommerkvæld

Перевод А. Ефременкова

Ноты с сайта - [www.notarhiv.ru](http://www.notarhiv.ru)

Op. 26, № 2

*Allegretto* *p*

1. Од - наж - ды ле - том в позд - ний час я  
1. Jeg rej - ste en dei - lig Som - mer - kvæld i -

*p*

*pp* *deus tranquillo*

гор - но - ю шел тро - ной, в лу - чех за - ка - та пы -  
- gjen - nem en en - som Dal. Så blankt stod Fjel - det ved

*pp*

- ла - ли бор и дол, и ска - лы, и синь о - зер. Шеп -  
Sol - falds - tid og blå var Fjor - den og grøn hver Lid, mens

*mf* *dim.*

- та - лись до - зы; и теп - лый воз - дух стру -  
Som - mer - luf - ten og Bir - ke - duf - ten strøg

*mf* *p* *dim.*

1. 2. 3.

-ил- ся с гор.  
от mig blid.

2. Па -  
2. Ен -

1. Однажды летом в поздний час  
Я горною шел тропой;  
В лучах заката пылали бор  
И дол, и скалы, и синь озер.  
Шептались лозы;  
И теплый воздух  
Струился с гор.
2. Пастушка в пламени алых лент,  
В сиянии кос золотых,  
С шитьем сидела в траве густой.  
Вокруг козлята паслись гурьбой  
В лугах зеленых;  
И в грезах сонных  
Пел ключ лесной.
3. Скажи, пастушка, в этот час  
О чем мечтаешь в горах?  
Одна, в безлюдье лесных дорог,  
Как знать, быть может, полна тревог?  
Чу! Слышишь звуки:  
То стонет гулкий  
Унылый рог.

1. Jeg rejste en dejlig Sommerkvæld  
igjennem en ensom Dal.  
Så blankt stod Fjeldet ved Solfaldstid  
og blå var Fjorden og grøn hver Lid,  
mens Sommerluften  
og Birkeduften  
strøg om mig blid.
2. En rankvokst Jente med røde Bånd  
om Flettens vægtige Guld,  
på Vangen sad med sit Strikketøj.  
En Flok af Gjeder om hende fløj.  
Den Vogter stille,  
mens Ely og Kilde  
gled uden Støj.
3. Hvad mon hun tænkte den Jente rank  
i Somrens drømmende Kvæld?  
Alene, ene i Dalen trang!  
Mon Længslen ej over Fjeld sig svang?  
Tys, Luren svarer!  
Mod Fjeldet farer  
en Vemodsklang.